PAPER - IV , UNIT - I , Section - B

Forest as a resource

पृथ्वी के सभी भागों मे किसी न किसी प्रकार की वनस्पति अवश्य पायी जाती है चाहे वह झाड़ियों या घास के रूप मे हो अथवा सघन वनों के रूप में। जलवायु और मिट्टी के अन्तर्सम्बन्ध से ही वनस्पति उगती है।

* Types of Forests :- (वनो के प्रकार)

Types of Forests

1. उष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के सदापर्णी वन ,
2. उष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के पर्णपाती वन ।
3. शीतोष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के मुख्य सदापर्णी वन
4. शीतोष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के पर्णपाती वन
5. शीत कटिबंधीय शंकुल सदापर्णी वन ।

① उष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के सदापर्णी वन (Tropical Evergreen Broad-Leaved Forests) :—

इस प्रकार के वनों का विस्तार धरातल पर लगभग 145 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर है। इसमें से 51.3% द० अमेरिका में, 21.2% अफ्रीका में, 17.5% एशिया में, 7% आस्ट्रेलिया में और 3% उत्तरी-मध्य अमेरिका में पाए जाते हैं।

ऐसे वन विशेषतः अमेजन बेसिन, विषुवतरेखीय अफ्रीका के मध्यवर्ती एवं पश्चिमी भागों तथा दक्षिणी-पूर्वी एशिया एवं द्वीपसमूह में मिलते हैं। जहाँ तापमान वर्ष भर काफी ऊँचे रहते हैं। और वर्षा की मात्रा 50 cm से 204 cm तक होती है। इन वृक्षों की पत्तियाँ अधिक गर्मी सहने के कारण बड़ी कठोर होती हैं, अतः उन्हें काटने में बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

इन सघन वनों के कुछ बहुमूल्य वृक्ष ये हैं - आबनूस, महोगनी, बांस, रोजवुड, लॉगवुड, ब्राजील-वुड, रबड़, आइरन वुड, मेनिकोर नारियल, केला, ग्रीन हार्ट, लैगो, सिनकोना, बेंत ब्रेड-फ्रूट आदि।

② उष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के पर्णपाती वन (Tropical Decidous Broad-Leaved forests) :-

जिन भागों मे वर्षा की मात्रा कम होती है अथवा पतझड़ की ऋतु होती है अथवा जहाँ केवल ग्रीष्म ऋतु मे ही वर्षा होती है वहां सदापर्णी वनो के स्थान पर मानसून वनों की बहुतायत होती है। इस प्रकार के वन भारत, उत्तरी म्यांमार उत्तरी थाईलैण्ड, लाओस, अंती वियतनाम, मध्य अमेरिका, उत्तरी आस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका, मलेशिया, इण्डोनीशिया, आदि देशो मे पाए जाते है।

इन वनो के प्रमुख वृक्ष, सागवान, बांस, साल ताड़, चंदन देवदार, महोगनी, बेंत, आम जामुन, नारियल आदि है।

③ शीतोष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के शुष्क सदापर्णी वन (Temperate Decidvous Broad - Leaved Dry forests) :-

ये ध्रुवों की ओर बढ़ने पर इन महाद्वीपो मार्ग मे भूमध्यरेखीय जलवायु प्रदेशों आते है। ये वन उत्तरी गोलार्द्ध मे 30° से 45° अक्षांशों के मध्य मे महाद्वीपों के पश्चिमी भागो मे और दक्षिणी गोलार्द्ध मे 40° ध्रुव दक्षिण तक पाए जाते है। इस प्रदेश की

वनस्पतियों को मुख्यतः दो कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। शीतकाल में शीत का और ग्रीष्म ऋतु में जल के अभाव का।

इन वनों के प्रमुख वृक्ष ओक, मैपिल, बीच, हेमलोक, स्प्रूस, चेस्टनट, पोपलर, एश, चेरी, हिकोरी, बर्च आदि हैं।

(4) शीतोष्ण कटिबंधीय चौड़ी पत्ती के पर्णपाती वन (Temperate Broad-leaved Deciduous Forests)

धरातल पर इन वनों का विस्तार लगभग 48 करोड़ हेक्टेयर पर है। ये लगभग शीत-प्रधान, समशीतोष्ण या पश्चिमी यूरोपीय प्रत्यवात वाले प्रदेशों के पाए जाते हैं। उत्तरी गोलार्द्ध में इनका विस्तार शीतल शुष्क भागों के पूर्व में 40° और 60° अक्षांशों के बीच में है।

इन वनों के मुख्य वृक्ष ओक, मैपिल, बीच, हेमलोक, स्प्रूस, चेस्टनट, पोपलर, एश, चेरी, हिकोरी, बर्च आदि हैं।

(5) शीतकटिबंधीय शंकुल सदापर्णी वन :- (Temperate Coniferous Forests)

ये वन लगभग 106 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र पर फैले हैं। इनमें से 39.5% उत्तरी अमेरिका में, 33.6% एशिया में, 21.9% यूरोप में, 4.1% दक्षिणी अमेरिका में, 6% आस्ट्रेलिया में और 3% अफ्री

में हैं। इन वनों की लकड़ी बहुत ही मुलायम और उपयोगी होती है जिससे वह कागज बना, ने, दिया सलाई की तीली, चौखट, पेटियाँ आदि बनाने के लिए अधिक उपयुक्त होती है। इन वनों के मुख्य वृक्ष चीड़, स्प्रूस, हेमलोक, फर, पाईन, सीडर, लारचेल आदि है।

(*) वनों को प्रभावित करने वाले कारक :-

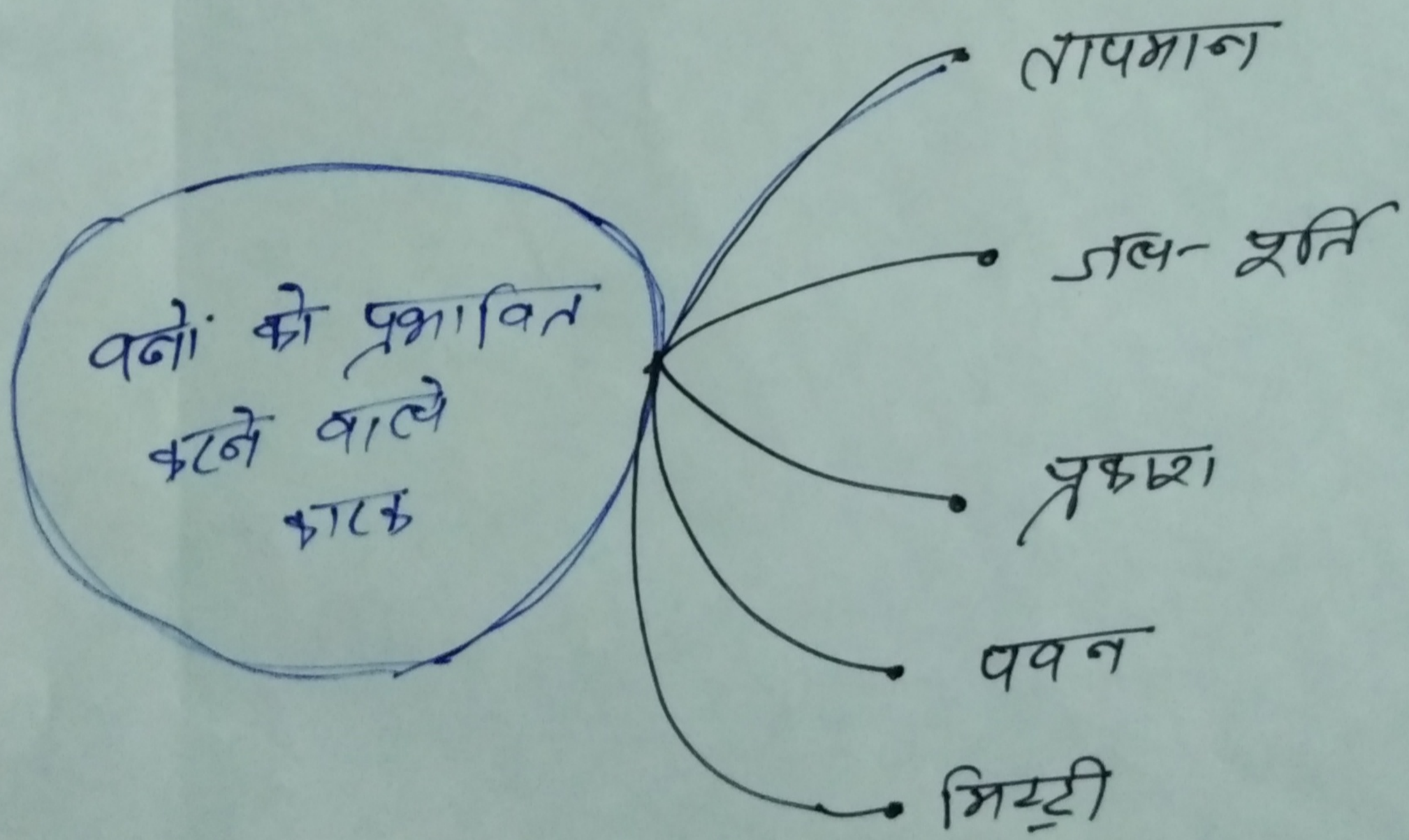

—— : 0 : ——

Dr. Mukul Kumar